ಕರ್ನಾಟಕ ಪ್ರೌಢ ಶಿಕ್ಷಣ ಪರೀಕ್ಷಾ ಮಂಡಳಿ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು - 560 003

**KARNATAKA SECONDARY EDUCATION EXAMINATION BOARD, MALLESWARAM, BANGALORE - 560 003**

ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ. ಪರೀಕ್ಷೆ, ಮಾರ್ಚ್ / ಏಪ್ರಿಲ್, 2014

**S.S.L.C. EXAMINATION, MARCH / APRIL, 2014**

# ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು
# MODEL ANSWERS

ದಿನಾಂಕ : 28. 03. 2014 — ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **06-H**

Date : 28. 03. 2014 — **Code No. : 06-H**

## ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ — ಹಿಂದಿ
## Subject : First Language — HINDI

**[ ಪರಮಾವಧಿ ಅಂಕಗಳು : 125**

**[ Max. Marks : 125**

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | | | अंक |
|---|---|---|---|---|
| I. | सही उत्तर चुनना : | | 15 × 1 = 15 | |
| 1. | (A) | धनपतराय | | 1 |
| 2. | (A) | हरिशंकर परसाई | | 1 |
| 3. | (C) | दौलतपुर ग्राम | | 1 |
| 4. | (D) | यशवंती | | 1 |
| 5. | (A) | गुरुग्रन्थ साहिब | | 1 |
| 6. | (C) | सन् 1943 | | 1 |
| 7. | (C) | ईश्वर | | 1 |
| 8. | (A) | दिल्ली | | 1 |
| 9. | (D) | मन | | 1 |
| 10. | (C) | राक्षसों | | 1 |
| 11. | (A) | घर | | 1 |
| 12. | (B) | आसमान | | 1 |
| 13. | (A) | तत्पुरुष | | 1 |
| 14. | (B) | बाहर | | 1 |
| 15. | (C) | तेज | | 1 |

[ Turn over

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | | | अंक |
|---|---|---|---|---|
| II. | खाली जगह भरना : | | | $5 \times 1 = 5$ |
| 16. | प्रकोष्ठ | | | 1 |
| 17. | 11 प्रतिशत | | | 1 |
| 18. | सुख-दु:ख | | | 1 |
| 19. | मोह | | | 1 |
| 20. | दीर्घ संधि । | | | 1 |
| III. 21. | जोड़कर लिखना : | | | $5 \times 1 = 5$ |
| | **''अ''** | | **''आ''** | |
| | (i) | (B) | पर्शिया का सुल्तान । | 1 |
| | (ii) | (A) | भोपाल गैस दुर्घटना । | 1 |
| | (iii) | (D) | सदा चिरंजीव रहे । | 1 |
| | (iv) | (C) | सुमित्रानंदन पंत । | 1 |
| | (v) | (H) | भूख न लगना । | 1 |
| IV. | **एक** वाक्य में उत्तर : | | | $10 \times 1 = 10$ |
| 22. | छल का धृतराष्ट्र जब आलिंगन करे, तो पुतला ही आगे बढ़ाना चाहिए । | | | 1 |
| 23. | ममता शोण के तीक्ष्ण गंभीर प्रवाह को देख रही थी । | | | 1 |
| 24. | स्कूली जीवन में नागर जी को उपन्यास और कहानियाँ पढ़ने का शौक हुआ । | | | 1 |
| 25. | बंगाल के वंदे मातरम् और जन-गण-मन गीत प्रसिद्ध होकर राष्ट्रगीत बने । | | | 1 |
| 26. | कुवेंपु के मन पर परिवार एवं माता-पिता का प्रभाव पड़ा । | | | 1 |
| 27. | मरण का सुन्दर शृंगार संगसौध (संगमरमर) में हो रहा है । | | | 1 |
| 28. | कवि कृष्ण को गोपवेश के रूप में अपने मन में बसाना चाहता है । | | | 1 |
| 29. | आज की दुनिया विचित्र नवीन है । | | | 1 |
| 30. | वाक्य में तीन प्रकार हैं । सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य और मिश्र वाक्य । | | | 1 |
| 31. | वचन में दो प्रकार हैं । एकवचन और बहुवचन । | | | 1 |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| V. | **दो-तीन** वाक्यों में उत्तर लिखना : $15 \times 2 = 30$ | |
| 32. | हीरा और मोती दोनों पछाई जाति के थे । देखने में सुंदर, काम में चौकस, डील में ऊँचे थे । बहुत दिनों तक साथ रहते-रहते दोनों में भाईचारा हो गया था । दोनों आमने-सामने या आसपास बैठे हुए एक दूसरे से मूक भाषा में विचार-विनिमय करते थे । | 2 |
| 33. | घर के बड़े आँगन में जब धान सुखाया जाता है । गौरैयों के दल के दल आते रहते हैं, जरा-सी देर में जरा-से इशारे से ये दल तितर-बितर हो जाते हैं पर जरा-सी आँख ओझल होते ही फिर वहीं जम जाते हैं । घर में रहते हुए भी ये स्वच्छन्द रहते हैं । | 2 |
| 34. | द्विवेदी जी को नौकरी छोड़ने पर कई मित्रों ने सहायता करने की इच्छा प्रकट की । किसी ने कहा-आओ, मैं तुम्हें अपना प्राइवेट सेक्रेटरी बनाऊँगा । किसी ने लिखा-मैं तुम्हारे साथ बैठकर संस्कृत पढ़ूँगा । किसी के कहा-मैं तुम्हारे लिए एक छापाखाना खुलवा दूँगा । | 2 |
| 35. | दीपू एक दिन सुबह-सुबह दादाजी के पास अखबार लेकर दौड़ा आया और बोला कि, दादाजी इसमें छपा है कि, सरकार से स्वाधीनता सेनानियों को मुफ्त में काले पानी की सैर करने भेज रही है । | 2 |
| 36. | स्वामी शंकराचार्य ने भारत की चारों दिशाओं में अपने मठ स्थापित किए थे । उत्तर में ज्योतिर्मठ, दक्षिण में श्रृंगेरी मठ, पूर्व में गोवर्धन मठ और पश्चिम में शारदा मठ । | 2 |
| 37. | कुवेंपु जी ने साहित्य की काव्य, उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, काव्यशास्त्र, आलोचना, बाल-साहित्य, जीवनी, आत्मकथा आदि विधाओं में लिखा है । | 2 |
| 38. | प्रकृति की समानता के बारे में कवि का इस प्रकार विचार है कि, ''जगत में एक ही अग्नि है, एक ही वायु है, एक ही भूमि है, एक ही आकाश है । सूर्य-चन्द्र समान रूप से अपना कार्य निभाते हैं । एक ही परमात्मा है ।'' | 2 |
| 39. | सुख की मधुरस का प्याला और उन्मुक्त तरंगें और दु:ख की ज्वाला भारी कड़ियाँ हैं । | 2 |
| 40. | ब्रज भूमि और वहाँ का बगीचा, यशोदा और नंद के साथ का सुख जीवन, यशोदा द्वारा माखन रोटी खिलाना, गोपियों से दिन भर हँसते खेलना ये सब बातें कृष्ण याद करते हैं । | 2 |
| 41. | इस संसार में सब का बिना कुछ कहे सुनना, सच्चाई से जीवन व्यतीत करना, विनीत रह कर भवसागर को पार करने का उपाय बताते हैं । | 2 |
| 42. | मेरे प्यारे नव जलद से कंज से नेत्रवाले ।<br>जाके आये न मधुवन से औं न भेजा संदेसा ।<br>मैं रो-रो के प्रिय-विरह से बावली हो रही हूँ ।<br>जाके मेरी सब दु:ख-कथा श्याम को तू सुना दे ॥ | 2 |
| 43. | कल काननि कुंडल मोरपखा, उर पै बनमाल विराजति है ।<br>मुरली कर मैं अधरा मुसकानि-तरंग, महाछवि छाजति है ॥ | 2 |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| 44. | जब दो वर्ण पास-पास आने के कारण मिल जाते हैं तो उनके मेल में भी विकार (परिवर्तन) होता है, उसे ''संधि'' कहते हैं । | |
| | **उदाहरण :** देवालय, परोपकार (कोई भी सही उदाहरण) । | 2 |
| 45. | जिस समस्त पद का एक पद विशेषण अथवा उपमावाचक हो, उसे ''कर्मधारय समास'' कहते हैं । | |
| | **उदाहरण :** नीलकमल, लाल-पीला (कोई भी सही उदाहरण) | 2 |
| 46. | संज्ञा या सर्वनाम के गुण या दोष बतानेवाले शब्द को ''गुणवाचक विशेषण'' कहते हैं । | |
| | **उदाहरण :** मीठा, बुरा (कोई भी सही उदाहरण) | 2 |
| VI. | **चार-पाँच** वाक्यों में उत्तर लिखना : $3 \times 3 = 9$ | |
| 47. | काँजीहौस का दृश्य इस प्रकार था कि, कई भैंसें थीं, कई बकरियाँ, कई घोड़े, कई गधे, पर किसी के सामने चारा न था, सब जमीन पर मुरदों की तरह पड़े थे । कई तो इतने कमजोर हो गये थे कि खड़े भी न हो सकते थे । सारा दिन दोनों मित्र फाटक की ओर टकटकी लगाये ताकते रहे, पर कोई चारा लेकर आता न दिखायी दिया । तब दोनों ने दीवार की नमकीन मिट्टी चाटनी शुरू की । | 3 |
| 48. | ममता विचार कर रही थी कि मैं ब्राह्मणी हूँ, मुझे तो अपने धर्म-अतिथि देव की उपासना का पालन करना है । ''मैं ब्राह्मण-कुमारी हूँ, सब अपना धर्म छोड़ दे, तो मैं भी क्यों छोड़ दूँ ?'' यह सोचकर ममता ने अपनी कुटिया में हुमायूँ को आश्रय दे दिया । | 3 |
| 49. | जिन्दगी भर बच्चे एक-एक टुकड़ा रोटी के लिए तरसते रहे । मैके से माँग-माँगकर गुजारा चलाती रही । पैसे न रहने से बच्चे आगे नहीं पढ़ सके । तीज-त्यौहारों पर बाहर निकलने के लिए झींकते रहे, कि तन ढकने के लिए कभी ढंग के कपड़े नसीब नहीं हुए । यशवंती दूसरों के खेतों में काम करती रही । कभी पति के बारे में शिकायत न की । | 3 |
| 50. | संदर्भ सहित व्याख्या : $3 \times 3 = 9$ | |
| | पाठ का नाम : ''आँगन का पंछी'' है । | $\frac{1}{2}$ |
| | लेखक का नाम : ''विद्यानिवास मिश्र'' है । | $\frac{1}{2}$ |
| | प्रसंग-व्याख्या : यहाँ लेखक गौरैयों का वर्णन करते हुए उसकी सरलता, निडरता और घर के लोगों के साथ के लगाव का वर्णन करते हुए बताते हैं । | 2 |
| 51. | पाठ का नाम : ''मेरी जीवन-गाथा'' है । | $\frac{1}{2}$ |
| | लेखक का नाम : ''महावीरप्रसाद द्विवेदी'' है । | $\frac{1}{2}$ |
| | प्रसंग-व्याख्या : इस वाक्य को द्विवेदी जी की पत्नी ने कहा । उनसे जब इस्तीफा देने के बाद वापस लेने की बात पर सुझाव माँगने पर कहा । | 2 |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| 52. | कविता का नाम : ''उड़ चल हारिल'' है । | $\frac{1}{2}$ |
| | कवि का नाम : ''अज्ञेय'' है । | $\frac{1}{2}$ |
| | प्रसंग-व्याख्या : यहाँ पर कवि हारिल को धीरज बाँधते हुए कह रहे हैं कि तुम्हारे मुँह में छोटा-सा तिनका देखकर यदि लोग उपहास करें तो भी तुम मत रुको । तुम अपने पथ पर अडिग रहो । | 2 |
| | कवि परिचय : $2 \times 3 = 6$ | |
| 53. | मैथिलीशरण गुप्त : | |
| | i) जन्मस्थान : चिरगाँव (उत्तर प्रदेश) | $\frac{1}{2}$ |
| | ii) काल : सन् 1886-1964 | $\frac{1}{2}$ |
| | iii) प्रमुख रचनाएँ : साकेत, यशोधरा, भारत-भारती, जयद्रथवध, पंचवटी आदि । | 1 |
| | iv) विशेषता : राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्तजी का हिन्दी साहित्य में विशिष्ट स्थान है । | 1 |
| 54. | तुलसीदास : | |
| | i) जन्मस्थान : राजापुर नामक गाँव (उत्तर प्रदेश) | $\frac{1}{2}$ |
| | ii) जन्म : सन् 1532-1623 | $\frac{1}{2}$ |
| | iii) प्रमुख रचनाएँ : रामचरितमानस, विनयपत्रिका, कवितावली, गीतावली, दोहावली आदि । | 1 |
| | iv) विशेषता : भक्तिकाल की सगुणभक्ति की रामाश्रयी शाखा के श्रेष्ठ कवि हैं । | 1 |
| | छन्द पहचानना : $1 \times 3 = 3$ | |
| 55. | छंद का नाम : ''सवैया'' है । | $1\frac{1}{2}$ |
| | छंद की पहचान : सवैया के प्रत्येक चरण में 23 से 26 वर्ण होते हैं । | $1\frac{1}{2}$ |
| | इस चरण में 24 वर्ण आये हैं । $1 \times 3 = 3$ | |
| 56. | अलंकार का नाम : ''यमक'' है । | $1\frac{1}{2}$ |
| | अलंकार की पहचान : यहाँ ''कनक'' शब्द की दो बार आवृत्ति हुई है । | $1\frac{1}{2}$ |
| | ''कनक'' शब्द का दो अर्थ है-सोना और धतूरा । | |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| VII. | **आठ-दस** वाक्यों में लिखिए : $2 \times 4 = 8$ | |
| 57. | ट्रेड यूनियन के इस जमाने में निन्दकों के संघ बन गए हैं । संघ के सदस्य जहाँ-तहाँ से खबरें लाते हैं और संघ के प्रधान को सौंपते हैं । यह कच्चा माल हुआ । अब प्रधान उनका पक्का माल बनाएगा और सब सदस्यों को बहुजन हिताय मुफ्त बाँटने के लिए दे देगा । यह फुरसत का काम है । | 4 |
| 58. | हावड़ा से बत्तीस मील दूर, बी०एन०आर० लाइन पर 'देउल्टी' स्टेशन से लगभग दो मील और आगे 'पानीबाश' नामक एक गाँव है । देउल्टी स्टेशन से एक कच्ची सड़क है । कच्चे सुंदर मकान, परचून की, करघा बिननेवाले की, पान-सिगरेट, चाय-बिस्कुट आदि की दुकानें, एक पक्का छोटा-सा स्कूल, केले और खजूर के पेड़ आदि बड़े अच्छे लगते हैं । एक पगडंडी से उतरकर सामने ही डॉक्टर बाबू की सफेद रंग से पुती हुई झोपड़ी (दवाखाना) सामने ही से एक मेज, एक कुर्सी, एक लंबी तिपाई और दो अलमारियाँ दिखाई पड़ते हैं । उससे लगभग दो फर्लांग और आगे चलकर पक्का दो मंजिला मकान है । फाटक के ठीक सामने ही कमल के फूलों से भरी हुई एक पुष्करिणी और बंगले की बाईं ओर विशाल ''रूपनारायण'' नद बहता है । यही शरत का गाँव वाला, अपना बनाया हुआ मकान है । | 4 |
| | सरल हिन्दी में भावार्थ लिखिए : $2 \times 4 = 8$ | |
| 59. | कविता का नाम : ''मानव और विज्ञान'' है । | $\frac{1}{2}$ |
| | कवि का नाम : रामधारी सिंह 'दिनकर' है । | $\frac{1}{2}$ |
| | भावार्थ : मानव की प्रगति के बारे में कवि का कथन है कि विज्ञान के जरिए मानव प्रगति के पथ पर अत्यन्त तीव्र गति से बढ़ रहा है । आधुनिक मानव के विकराल मुष्टि में प्रत्येक क्षण दिक्काल सिमटते जा रहे हैं । नर की प्रगति निस्सीम है । उसके चरण तल में भूगोल है और मुट्ठी में आकाश है । | 3 |
| 60. | कविता का नाम : ''सूरदास के पद'' है । | $\frac{1}{2}$ |
| | कवि का नाम : ''सूरदास'' है । | $\frac{1}{2}$ |
| | भावार्थ : श्री कृष्ण गोपिकाओं को समझाने के लिए उद्धव को भेजता है । तब गोपिकाएँ उनसे निर्गुण के अस्तित्व को समझाने के लिए कहती हैं कि वह कहाँ का वासी है । उसके माँ-बाप कौन हैं, उसकी वेश-भूषा आदि के बारे में पूछने पर उद्धव निरुत्तर हो जाता है । | 3 |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | | | अंक |
|---|---|---|---|---|
| 61. | पत्र लेखन : | | $1 \times 4 = 4$ | |
| | मित्र के नाम पत्र : | | | |
| | | स्थान : | $\frac{1}{2}$ | |
| | | तारीख : | $\frac{1}{2}$ | |
| | संबोधन $\frac{1}{2}$ | | | |
| | कलेवर (Body of the letter) | | $1\frac{1}{2}$ | |
| | को पता : | समापन | $\frac{1}{2}$ | |
| | | हस्ताक्षर | $\frac{1}{2}$ | 4 |
| | **अथवा** | | | |
| | छुट्टी पत्र : | | | |
| | | स्थान : | $\frac{1}{2}$ | |
| | | तारीख : | $\frac{1}{2}$ | |
| | संबोधन $\frac{1}{2}$ | | | |
| | कलेवर (Body of the letter) | | $1\frac{1}{2}$ | |
| | को पता : | समापन | $\frac{1}{2}$ | |
| | | हस्ताक्षर | $\frac{1}{2}$ | |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| VIII. 62. | निबंध लेखन : $1 \times 5 = 5$<br>प्रस्तावना $\frac{1}{2}$<br>विषय प्रवेश $\frac{1}{2}$<br>विषय विस्तार $3\frac{1}{2}$<br>समापन $\frac{1}{2}$ | 5 |
| IX. 63. | गद्यांश पढ़कर उत्तर लिखना : $5 \times 1 = 5$<br>(i) तानसेन एक महान संगीतज्ञ थे ।<br>(ii) प्रचलित नाम : तन्ना, त्रिलोचन, तनसुख आदि हैं ।<br>(iii) तानसेन के ताऊ का नाम बाबा रामदास था ।<br>(iv) तानसेन पाँच वर्ष की उम्र तक बोल नहीं सके थे ।<br>(v) तानसेन फिर सूफी फकीर मुहम्मद गौस के आशीर्वाद से बोलने लगे थे । | |